राष्ट्रीय सहारा
सच कहने की हिम्मत
राष्ट्रीयता • कर्तव्य • समर्पण
गोरखपुर • पटना • कानपुर • देहरादून • वाराणसी से प्रकाशित
नई दिल्ली । शुक्रवार • 4 मार्च • 2016

# बिजनेस स्टडीज पेपर में कई सवालों ने उलझाया

नई दिल्ली (एसएनबी)। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के बारहवीं कक्षा मे कॉमर्स का दूसरा पेपर था। परीक्षार्थियों व सब्जेक्ट एक्सपर्ट के अनुसार पेपर बीते साल से ज्यादा मुश्किल था। दरअसल पेपर में केस स्टडिज से जुड़े ज्यादा प्रश्न पूछे गये थे। परीक्षार्थी विनायक, सजल, पायल व दक्ष के अनुसार परीक्षा में केस स्टडिज के प्रश्न को हल करने में ज्यादा समय लगा। विनायक ने बताया कि अर्निंग पर शेयर से जुड़ा एक प्रश्न काफी मुश्किल था। बाकी केस स्टडीज से जुड़े प्रश्न ट्रिकी थे। पीतमपुरा स्थित एमएम पब्लिक स्कूल की बिजनेस स्टडिज विषय की सब्जेक्ट एक्सपर्ट संतोष बत्रा व रोहिणी स्थिति माउंट आबू पब्लिक स्कूल की सब्जेक्ट एक्सपर्ट शीतल पराशर ने बताया कि केस स्टडीज के प्रश्न ट्रिकी थे। पेपर कंसेप्ट बेस्ड था। जिनका कंसेप्ट स्पष्ट होगा, वही प्रश्नो को सही कर पाएंगी। शीतल ने बताया कि कैपिटल स्ट्रक्चर से जुड़े एक प्रश्न जो छह अंको का था, वह पूरी तरह से न्यूमेरिकल था, जिसको करने में परीक्षार्थियों को थोड़ी मुश्किल हुई।

सब्जेक्ट एक्सपर्ट संतोष बत्रा ने बताया कि पेपर कुल 80 अंको का था। बाकी 20 स्कूलो का स्कूल लेवल पर

- सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा
- ट्रिकी प्रश्नों को सुलझाने में समय लगा

**परीक्षार्थियों को**

प्रोजेक्ट का है। 80 अंको के इस पेपर मे आठ प्रश्न एक अंको वाले, पांच प्रश्न तीन अंको वाले, छह प्रश्न चार अंको के, तीन प्रश्न पांच अंको के और तीन प्रश्न छह अंको के आए थे। बिजनेस स्टडीज के पेपर में वीवो लिमिटेड कंपनी से जुड़ा प्रश्न मुश्किल था। इसी प्रकार दो तीन प्रश्न थे, जिनमे परीक्षार्थी सही उत्तर तय नहीं कर पा रहे थे। प्रश्न घुमा फिरा कर पूछे गये थे। श्रीमती बत्रा ने बताया कि बीते साल से बिजनेस स्टडीज के पेपर में नया पैटर्न लागू किया गया था। बीते साल पेपर थोड़ा सही था। लेकिन इस बार एप्लिकेशन आधारित प्रश्न ट्रिकी थे। पेपर में नैतिक मूल्य (वैल्यू बेस्ड) प्रश्न भी पूछा गया था। श्रीमती बत्रा ने बताया कि प्रश्न मे पूछा गया था कि एक मल्टीनेशनल कंपनी में एक कर्मचारी को बुखार हो जाता है। वह अपनी खून की जांच कराता है तो डेंगू निकलता है। वह फिर अस्पताल में भर्ती हो जाता है। उसके खून में प्लेटलेट्स कम हो जाते है और उसे खून की जरूरत होती है। वह इस संबंध में कर्मचारी अपने सीईओ को जानकारी देता है। सीईओ सभी कर्मचारी से खून देने की अपील करते है। सभी अन्य कर्मचारी खून देने के लिए आगे आते हैं। इस प्रश्न मे पूछा गया था कि इस घटना में कौन सा नैतिक मूल्य पता चलता है। सब्जेक्ट एक्सपर्ट ने बताया कि इस प्रश्न का उत्तर यही है कि इसमें एक कर्मचारी का साथी कर्मचारी के लिए इंसानियत, केयर और आदर की भावना प्रदर्शित होती है।